

॥ भगवतीस्तोत्रम् ॥

.. bhagavatIstotram ..

sanskritdocuments.org

July 25, 2016

Document Information

Text title : bhagavatIstotram

File name : bhagavatiistotra.itx

Location : doc_devii

Author : Maharshi_Vyas

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : <http://www.webdunia.com>

Proofread by : Sridhar - Seshagiri <seshagir@engineering.sdsu.edu>

Latest update : November 22, 2001

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

॥ भगवतीस्तोत्रम् ॥

जय भगवति देवि नमो वरदे जय पापनिवाशिनि बहुफलदे ।
जय शुम्भ-निशुम्भ कपालधरे प्रणमामि तु देवि नरार्तिहरे ॥ १ ॥

जय चन्द्रदिवाकर-नेत्रधरे जय पावकभूषितवक्रवरे ।
जय भैरवदेहनिलीनपरे जय अन्धकदैत्यविशोषकरे ॥ २ ॥

जय महिषविमर्दिनिशूलकरे जय लोकसमस्तकपापहरे ।
जय देवि पितामहविष्णुनुते जय भास्करशक्रशिराऽवनते ॥ ३ ॥

जय षण्मुख-सायुध-ईशनुते जय सागरगामिनि शम्भुनुते ।
जय दुःख-दरिद्र-विनाशकरे जय पुत्रकल त्रिविद्धिकरे ॥ ४ ॥

जय देवि समस्तशरीरधरे जय नाकविदर्शिनि दुःखहरे ।
जय व्याधिविनाशिनि मोक्षकरे जय वाञ्छितदायिनि सिद्धिकरे ॥ ५ ॥

एतद्व्यासकृतं स्तोत्रं यः पठेन्नियतः शुचिः ।
गृहे वा शुद्धभावेन प्रीता भगवती सदा ॥ ६ ॥

॥ इति व्यासकृतं भगवतीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Visit <http://www.webdunia.com> for additional texts with Hindi meanings.

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

.. bhagavatIstotram ..
was typeset on July 25, 2016

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

